

रविवार 1 नवंबर, 2020

विषय — हमेशा की सजा

स्वर्ण पाठ: 1 इतिहास 16 : 23

---

"हे समस्त पृथ्वी के लोगो यहोवा का गीत गाओ। प्रतिदिन उसके किए हुए उद्धार का शुभ समाचार सुनाते रहो!"

---

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 95: 1-6

- 1 आओ हम यहोवा के लिये ऊंचे स्वर से गाएं, अपने उद्धार की चट्टान का जयजयकार करें!
- 2 हम धन्यवाद करते हुए उसके सम्मुख आएँ, और भजन गाते हुए उसका जयजयकार करें!
- 3 क्योंकि यहोवा महान ईश्वर है, और सब देवताओं के ऊपर महान राजा है।
- 4 पृथ्वी के गहिरे स्थान उसी के हाथ में हैं; और पहाड़ों की चोटियां भी उसी की हैं।
- 5 समुद्र उसका है, और उसी ने उसको बनाया, और स्थल भी उसी के हाथ का रचा है॥
- 6 आओ हम झुक कर दण्डवत करें, और अपने कर्ता यहोवा के साम्हने घुटने टेकें!

## पाठ उपदेश

### बाइबल

#### 1. भजन संहिता 51 : 1-4

- 1 हे परमेश्वर, अपनी करुणा के अनुसार मुझ पर अनुग्रह कर; अपनी बड़ी दया के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दे।
- 2 मुझे भलीं भांति धोकर मेरा अधर्म दूर कर, और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर!
- 3 मैं तो अपने अपराधों को जानता हूँ, और मेरा पाप निरन्तर मेरी दृष्टि में रहता है।
- 4 मैं ने केवल तेरे ही विरुद्ध पाप किया, और जो तेरी दृष्टि में बुरा है, वही किया है, ताकि तू बोलने में धर्मी और न्याय करने में निष्कलंक ठहरे।

#### 2. योना 1 : 1-4, 10, 12, 15, 17

---

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

- 1 यहोवा का यह वचन अमितै के पुत्र योना के पास पहुंचा,
- 2 उठ कर उस बड़े नगर नीनवे को जा, और उसके विरुद्ध प्रचार कर; क्योंकि उसकी बुराई मेरी दृष्टि में बढ़ गई है।
- 3 परन्तु योना यहोवा के सम्मुख से तर्शीश को भाग जाने के लिये उठा, और यापो नगर को जा कर तर्शीश जाने वाला एक जहाज पाया; और भाड़ा देकर उस पर चढ़ गया कि उनके साथ हो कर यहोवा के सम्मुख से तर्शीश को चला जाए॥
- 4 तब यहोवा ने समुद्र में एक प्रचण्ड आंधी चलाई, और समुद्र में बड़ी आंधी उठी, यहां तक कि जहाज टूटने पर था।
- 10 तब वे निपट डर गए, और उस से कहने लगे, तू ने यह क्या किया है? वे जान गए थे कि वह यहोवा के सम्मुख से भाग आया है, क्योंकि उसने आप ही उन को बता दिया था॥
- 12 उसने उन से कहा, मुझे उठा कर समुद्र में फेंक दो; तब समुद्र शान्त पड़ जाएगा; क्योंकि मैं जानता हूं, कि यह भारी आंधी तुम्हारे ऊपर मेरे ही कारण आई है।
- 15 तब उन्होंने योना को उठा कर समुद्र में फेंक दिया; और समुद्र की भयानक लहरें थम गईं।
- 17 यहोवा ने एक बड़ा सा मगरमच्छ ठहराया था कि योना को निगल ले; और योना उस मगरमच्छ के पेट में तीन दिन और तीन रात पड़ा रहा॥

### 3. योना 2 : 1, 9 (उसको पूरी करूंगा), 10

- 1 तब योना ने उसके पेट में से अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कर के कहा,
- 9 जो मन्त मैं ने मानी, उसको पूरी करूंगा। उद्धार यहोवा ही से होता है।
- 10 और यहोवा ने मगरमच्छ को आज्ञा दी, और उसने योना को स्थल पर उगल दिया॥

### 4. योना 3 : 3 (से 1st .), 4-6, 10

- 3 तब योना यहोवा के वचन के अनुसार नीनवे को गया।
- 4 और योना ने नगर में प्रवेश कर के एक दिन की यात्रा पूरी की, और यह प्रचार करता गया, अब से चालीस दिन के बीतने पर नीनवे उलट दिया जाएगा।
- 5 तब नीनवे के मनुष्यों ने परमेश्वर के वचन की प्रतीति की; और उपवास का प्रचार किया गया और बड़े से ले कर छोटे तक सभी ने टाट ओढ़ा।
- 6 तब यह समाचार नीनवे के राजा के कान में पहुंचा; और उसने सिंहासन पर से उठ, अपना राजकीय ओढ़ना उतार कर टाट ओढ़ लिया, और राख पर बैठ गया।

- 10 जब परमेश्वर ने उनके कामों को देखा, कि वे कुमार्ग से फिर रहे हैं, तब परमेश्वर ने अपनी इच्छा बदल दी, और उनकी जो हानि करने की ठानी थी, उसको न किया॥

## 5. यशायाह 52 : 7-10

- 7 पहाड़ों पर उसके पांव क्या ही सुहावने हैं जो शुभ समाचार लाता है, जो शान्ति की बातें सुनाता है और कल्याण का शुभ समाचार और उद्धार का सन्देश देता है, जो सिय्योन से कहता है, तेरा परमेश्वर राज्य करता है।
- 8 सुन, तेरे पहरूपे पुकार रहे हैं, वे एक साथ जयजयकार कर रहे हैं; क्योंकि वे साक्षात् देख रहे हैं कि यहोवा सिय्योन को लौट रहा है।
- 9 हे यरूशलेम के खण्डहरों, एक संग उमंग में आकर जयजयकार करो; क्योंकि यहोवा ने अपनी प्रजा को शान्ति दी है, उसने यरूशलेम को छुड़ा लिया है।
- 10 यहोवा ने सारी जातियों के साम्हने अपनी पवित्र भुजा प्रगट की है; और पृथ्वी के दूर दूर देशों के सब लोग हमारे परमेश्वर का किया हुआ उद्धार निश्चय देख लेंगे॥

## 6. मत्ती 28 : 18 (यीशु ने पास ।) केवल

- 18 यीशु ने उन के पास आकर...

## 7. लूका 15 : 2-10

- 2 और फरीसी और शास्त्री कुड़कुड़ा कर कहने लगे, कि यह तो पापियों से मिलता है और उन के साथ खाता भी है॥
- 3 तब उस ने उन से यह दृष्टान्त कहा।
- 4 तुम में से कौन है जिस की सौ भेड़ें हों, और उन में से एक खो जाए तो निन्नानवे को जंगल में छोड़कर, उस खोई हुई को जब तक मिल न जाए खोजता न रहे?
- 5 और जब मिल जाती है, तब वह बड़े आनन्द से उसे कांधे पर उठा लेता है।
- 6 और घर में आकर मित्रों और पड़ोसियों को इकट्ठे करके कहता है, मेरे साथ आनन्द करो, क्योंकि मेरी खोई हुई भेड़ मिल गई है।
- 7 मैं तुम से कहता हूं; कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनन्द होगा, जितना कि निन्नानवे ऐसे धमियों के विषय नहीं होता, जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं॥
- 8 या कौन ऐसी स्त्री होगी, जिस के पास दस सिक्के हों, और उन में से एक खो जाए; तो वह दीया बारकर और घर झाड़ बुहार कर जब तक मिल न जाए, जी लगाकर खोजती न रहे?

- 9 और जब मिल जाता है, तो वह अपने सखियों और पड़ोसिनियों को इकट्ठी करके कहती है, कि मेरे साथ आनन्द करो, क्योंकि मेरा खोया हुआ सिक्का मिल गया है।
- 10 मैं तुम से कहता हूँ; कि इसी रीति से एक मन फिराने वाले पापी के विषय में परमेश्वर के स्वर्गदूतों के साम्हने आनन्द होता है॥

## 8. भजन संहिता 51: 9-17

- 9 अपना मुख मेरे पापों की ओर से फेर ले, और मेरे सारे अधर्म के कामों को मिटा डाल॥
- 10 हे परमेश्वर, मेरे अन्दर शुद्ध मन उत्पन्न कर, और मेरे भीतर स्थिर आत्मा नये सिरे से उत्पन्न कर।
- 11 मुझे अपने साम्हने से निकाल न दे, और अपने पवित्र आत्मा को मुझ से अलग न कर।
- 12 अपने किए हुए उद्धार का हर्ष मुझे फिर से दे, और उदार आत्मा देकर मुझे सम्भाल॥
- 13 तब मैं अपराधियों को तेरा मार्ग सिखाऊंगा, और पापी तेरी ओर फिरेंगे।
- 14 हे परमेश्वर, हे मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर, मुझे हत्या के अपराध से छुड़ा ले, तब मैं तेरे धर्म का जयजयकार करने पाऊंगा॥
- 15 हे प्रभु, मेरा मुंह खोल दे तब मैं तेरा गुणानुवाद कर सकूंगा।
- 16 क्योंकि तू मेलबलि से प्रसन्न नहीं होता, नहीं तो मैं देता; होमबलि से भी तू प्रसन्न नहीं होता।
- 17 टूटा मन परमेश्वर के योग्य बलिदान है; हे परमेश्वर, तू टूटे और पिसे हुए मन को तुच्छ नहीं जानता॥

## विज्ञान और स्वास्थ्य

### 1. 327: 12-13 (से 2nd.)

पाप के दुख से बचने का तरीका है, पाप को रोकना। और कोई रास्ता नहीं है।

### 2. 5 : 3-21, 29-16

गलत काम के लिए दुःख है, लेकिन सुधार की दिशा में एक कदम और बहुत आसान कदम है। ज्ञान द्वारा आवश्यक अगला और महान कदम हमारी ईमानदारी की परीक्षा है, - अर्थात्, सुधार। इसके लिए हमें परिस्थितियों के तनाव में रखा गया है। प्रलोभन बोली हमें अपराध को दोहराती है, और जो किया जाता है उसके बदले में आ जाता है। इसी तरह यह हमेशा रहेगा, जब तक हम यह नहीं सीख लेते कि न्याय के कानून में कोई छूट नहीं है और हमें "पूरी तरह से" भुगतान करना होगा। जिस नाप से तुम नापते हो, "उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा" और यह भरा जाएगा "और ऊपर चल रहा होगा।"

संतों और पापियों को उनका पूरा पुरस्कार मिलता है, लेकिन हमेशा इस दुनिया में नहीं। मसीह के अनुयायियों ने उसका प्याला पी लिया। अभिरुचि और उत्पीड़न ने उसे भर दिया; लेकिन भगवान अपने प्यार की दौलत को समझ और प्यार में डालते हैं, जिससे हमें अपने दिन के मुताबिक ताकत मिलती है। पापी पनपते हैं "हरे भरे वृक्ष की तरह;" लेकिन, आगे बढ़ते हुए, भजनहार अपना अंत देख सकता था; कष्ट से पाप का नाश।

एक प्रेषित कहता है कि ईश्वर का पुत्र [मसीह] "शैतान के कार्यों को नष्ट करने" के लिए आया था। हमें अपने ईश्वरीय उदाहरण का अनुसरण करना चाहिए, और सभी बुरे कार्यों, त्रुटि और रोग के विनाश की तलाश करनी चाहिए। हम पाप के कारण दंड से बच नहीं सकते। शास्त्र कहते हैं, कि यदि हम मसीह को अस्वीकार करते हैं, "तो वह भी हमें अस्वीकार करेगा।"

ईश्वरीय प्रेम मनुष्य को सुधारता है और नियंत्रित करता है। पुरुष क्षमा मांग सकते हैं, लेकिन यह ईश्वरीय सिद्धांत केवल पापी को सुधारता है। परमेश्वर उस बुद्धि से अलग नहीं है जिसे वह श्रेष्ठ मानता है। वह जो प्रतिभा देता है, हमें उसे सुधारना चाहिए। अपने काम के लिए उससे माफी मांगना जो बुरी तरह से किया गया है या पूर्ववत् छोड़ दिया गया है, इस बेकार दलील को इंगित करता है कि क्षमा मांगने के अलावा हमारे पास कुछ भी नहीं है, और इसके बाद हम अपराध को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

पाप के परिणाम के रूप में पीड़ित होने के लिए, पाप को नष्ट करने का साधन है। जब तक भौतिक जीवन में पाप और पाप नष्ट नहीं हो जाते, तब तक पाप का हर आनंद उसके दर्द के बराबर होगा। स्वर्ग तक पहुँचने के लिए, हम होने के दिव्य सिद्धांत को समझना चाहिए।

### 3. 22 : 11-22, 30-4

"अपने स्वयं के उद्धार का काम करें," यह जीवन और प्रेम की मांग है, इस अंत के लिए भगवान आपके साथ काम करते हैं। "जब तक मैं न आऊं तब तक दृढ़ रहना!" अपने इनाम की प्रतीक्षा करें, और "अच्छा करने में थके नहीं। यदि आपके प्रयास भयभीत बाधाओं से घिरे हुए हैं, और आपको कोई वर्तमान इनाम नहीं मिलता है, तो गलती पर वापस न जाएं, और न ही दौड़ में सुस्त बनें।

जब लड़ाई का धुआं दूर हो जाएगा, तो आप अपने द्वारा किए गए अच्छे को समझेंगे, और अपने योग्य के अनुसार प्राप्त करेंगे। प्रेम हमें प्रलोभन देने के लिए जल्दी में नहीं है, क्योंकि प्रेम का अर्थ है कि हमें कोशिश और शुद्ध करना होगा।

न्याय के लिए पापी के सुधार की आवश्यकता है दया ऋण को तभी रद्द करती है जब न्याय स्वीकृत होता है। बदला बेवजह है। क्रोध जो केवल तुष्ट होता है, नष्ट नहीं होता, बल्कि आंशिक रूप से लिप्त होता है। हमें पाप से बचाने

के लिए बुद्धि और प्रेम के लिए स्वयं के कई बलिदानों की आवश्यकता हो सकती है। एक बलिदान, हालांकि, महान, पाप के ऋण का भुगतान करने के लिए अपर्याप्त है।

#### 4. 404 : 10-16, 19-21 अगला पृष्ठ

वासना, द्वेष, और सभी प्रकार की बुराई रोगग्रस्त विश्वास हैं, और आप उन्हें केवल उन दुष्ट उद्देश्यों को नष्ट करके नष्ट कर सकते हैं जो उन्हें उत्पन्न करते हैं। यदि पश्चाताप नश्वर मन में बुराई खत्म हो गई है, जबकि इसका प्रभाव अभी भी व्यक्ति पर बना हुआ है, तो आप इस विकार को दूर कर सकते हैं क्योंकि भगवान का कानून पूरा हो गया है और अपराध को रद्द कर देता है। स्वस्थ पापी कठोर पापी होता है।

यह विश्वास, कि पाप में कोई वास्तविक आनंद नहीं है, ईसाई विज्ञान के धर्मशास्त्र में सबसे महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक है। पापी के इस नए और सच्चे दृष्टिकोण के बारे में जानने के लिए, उसे दिखाओ कि पाप कोई खुशी नहीं देता है, और यह ज्ञान उसके नैतिक साहस को मजबूत करता है और बुराई करने और अच्छे से प्यार करने की उसकी क्षमता को बढ़ाता है।

बीमार को ठीक करना और पापी को सुधारना क्रायश्चियन साइंस में एक ही बात है। दोनों इलाज के लिए एक ही विधि की आवश्यकता होती है और यह सत्य में अविभाज्य हैं। घृणा, ईर्ष्या, बेईमानी, भय, और ऐसी अन्य चीजें, एक आदमी को बीमार बनाती हैं, और न तो भौतिक चिकित्सा और न ही मन उसे स्थायी रूप से मदद कर सकता है, यहां तक कि शरीर में भी, जब तक कि वह उसे मानसिक रूप से बेहतर नहीं बनाता है, और इसलिए उसे उसके विध्वंसक से बचाता है। मूल त्रुटि नश्वर मन है। घृणा क्रूर इच्छाओं को भड़काती है। बुरे इरादों और उद्देश्यों का भोग किसी भी आदमी को एक निराशाजनक पीड़ित बनाता है, जो सबसे कम प्रकार के साहस से ऊपर है।

क्रिश्चियन साइंस मनुष्य को भविष्यवाणियों में महारत हासिल करने के लिए आज्ञा देता है, - दया के साथ घृणा करने के लिए, शुद्धता के साथ वासना को जीतने के लिए, दान के साथ बदला लेने के लिए, और ईमानदारी के साथ धोखे को दूर करने के लिए। यदि आप स्वास्थ्य, खुशी और सफलता के खिलाफ षड्यंत्रकारियों की एक सेना को संजोना नहीं चाहते हैं, तो इन त्रुटियों को उनके शुरुआती चरणों में नष्ट कर दें। वे आपको न्यायाधीश के पास पहुंचाएंगे, जो त्रुटि के खिलाफ सच्चाई का मध्यस्थ होगा। न्यायाधीश आपको न्याय दिलाएगा, और नश्वर मन और शरीर पर नैतिक कानून की सजा दी जाएगी। जब तक आपको अंतिम भुगतान नहीं किया जाता है, तब तक दोनों को पदच्युत किया जाएगा - जब तक कि आपने भगवान के साथ अपना खाता संतुलित नहीं किया है। "मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा।" अच्छा इंसान आखिरकार अपने पाप के डर को दूर कर सकता है। स्वयं को नष्ट करना पाप की आवश्यकता है। अमर मनुष्य ईश्वर की सरकार को प्रदर्शित करता है, जिसमें पाप करने की शक्ति नहीं है।

## 5. 339: 1 (यह)-4

पाप का नाश ही क्षमा का दिव्य तरीका है। ईश्वरीय जीवन मृत्यु को नष्ट करता है, सत्य त्रुटि को नष्ट करता है, और प्रेम घृणा को नष्ट करता है। नष्ट होने के नाते, पाप को क्षमा का कोई अन्य रूप नहीं चाहिए।

### दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

### दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

### उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वानी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

### कर्तव्य के प्रति सतर्कता

---

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्टरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6